www.fmri.in

चिरकारी किडनी रोग

Content Partners

Fortis MEMORIAL RESEARCH INSTITUTE

Sector-44 (Opp. HUDA City Centre Metro Station), Gurgaon-122002, Haryana.
Ph.No. 0124 4962 200, 7162 200, Emergency No. 0124 421 3333, Ambulance No. 105010
www.fmri.in

Fortis FOUNDATION

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

1 किडनी का क्या कार्य है?

आपके शरीर से अपशिष्ट पदार्थ, जीवविष और द्रव को हटाने के अलावा, किडनी इन जीवन क्रियाओं को संपन्न करते हैं:

- शरीर के पानी, सोडियम, पोटेशियम, फॉस्फोरस और कैल्शियम को नियंत्रित करते हैं
- ऐसे हारमोनों को निर्मुक्त करते हैं जो:
  1. ब्लड प्रैशर को नियंत्रित करते हैं
  2. बोन मैरो में हीमोग्लोबिन बनाते हैं
  3. कैल्शियम के अवशोषण में सहायता और अस्थि स्वास्थ्य में अंशदान करते हैं

2 चिरकारी वृक्करोग (CKD) क्या है?

चिरकारी वृक्करोग का अर्थ वृक्कों की स्थायी क्षति है जो कम से कम तीन महीनों से मौजूद है और उत्तरोत्तर प्रगतिशील स्वभाव रखती है। जैसे–जैसे रोग बढ़ता है, वैसे–वैसे जीवविष और अपशिष्ट पदार्थ रक्त में जमा हो जाते हैं और जटिलताएं पैदा करते हैं जैसे अनियंत्रित ब्लड प्रैशर, हीमोग्लोबिन की कम मात्रा, खराब पोषण स्वास्थ्य और तंत्रिका क्षति। CKD हृदय रोग के लिए भी एक जोखिम कारक है और हृदयाघात की संभावना को बढ़ाता है। आमतौर पर, यह सबसे ज्यादा मधुमेह और ब्लड प्रैशर के कारण पैदा होता है, जिनका लंबे समय से अपर्याप्त उपचार किया गया हो। जल्दी पता लगने और उपचार से किडनी रोग के बढ़ने की रोकथाम करने और डायलिसिस के लिए समय को दीर्घ बनाने में मदद मिल सकती है। यदि किडनी रोग का इलाज नहीं किया जाए तो अंततः इसके फलस्वरूप वृक्कपात होता है, और फिर डायलिसिस या किडनी प्रत्यारोपण एकमात्र चिकित्सीय विकल्प बाकी बचता है।

3 CKD किन कारणों से पैदा होता है?

दो मुख्य कारण मधुमेह और ब्लड प्रैशर हैं। भारत में, मधुमेह और ब्लड प्रैशर की व्याप्ति बढ़ रही है और इस प्रकार वृक्करोग बढ़ रहा है। इन चिकित्सार्थ अवस्थाओं में किडनी रोग की रोकथाम करने की कुँजी ब्लड शुगर और रक्तचाप पर सतर्कतापूर्वक नियंत्रण रखना है।

अन्य चिकित्सार्थ अवस्थाएं जो किडनी को प्रभावित करती हैं:

- ग्लोमेरूलोनफ्राइटिस, रोगों का एक समूह जो किडनी का शोथ एवं क्षति पैदा करते हैं
- आनुवंशिक रोग (जो परिवार में चलते हैं)
- चर्मक्षय और अन्य स्वतः प्रतिरक्षित रोग
- गुर्दे की पथरी
- चिरकारी किडनी संक्रमण
- दवाएं जैसे पीड़ानाशक और कुछ एंटीबायोटिक्स

4 CKD के क्या लक्षण हैं?

शुरुआती लक्षण:

- थकान और ऊर्जा की कमी
- ध्यान एकाग्र करने में कठिनाई
- पांवों और एड़ियों में सूज़न
- आँखों के चारों ओर सूज़न, विशेषकर सुबह के समय
- सूखी, त्वचा में खुजली
- रात में बार–बार पेशाब आना

5 किन लोगों को किडनी रोग का खतरा है?

वहां किडनी रोग का अधिक खतरा है यदि आप:

- मधुमेह से पीड़ित हैं
- हाई ब्लड प्रैशर है
- एक धूम्रपानकर्ता हैं
- पीड़ानाशक दवाओं की उच्च खुराक लेते हैं
- चिरकारी किडनी रोग का पारिवारिक इतिहास रखते हैं

संकल्प – किडनी ट्रांसप्लांट सहायता समूह

फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुड़गांव में संकल्प, किडनी ट्रांसप्लांट सहायता समूह शुरु किया गया है जो ग्राहियों (ट्रांसप्लांट के बाद), उम्मीदवारों (ट्रांसप्लांट से पहले), डोनर्स, देखभालकर्ताओं, परिवार के सदस्यों और मित्रों के लिए सहायता एवं शिक्षा पेश करता है। जानकारी और अनुभवों को साझा करने का एक अवसर उपलब्ध कराकर, यह सहायता समूह किडनी ट्रांसप्लांट के साथ जुड़ी चिंताओं एवं मसलों का सामना करने में मरीजों और उनके प्रियजनों की मदद करता है।

हमारे किडनी ट्रांसप्लांट क्लीनिक में पधारिए –
बुधवार और शनिवार: सुबह 10 बजे – दोपहर 2 बजे

sankalp
THE FORTIS KIDNEY TRANSPLANT SUPPORT GROUP

विषयवस्तु:
डॉ. सौरभ पोखरियाल – डायरेक्टर एवं एच.ओ.डी. नेफ्रोलॉजी एंड रीनल ट्रांसप्लांट फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुड़गांव